Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Syllabus Prescribed Under Choice Based Credit System 2022-23

Faculty: Humanities

Programme: Compulsory Hindi

Part A

PSOs:

1. अहिन्दी भाषी छात्रों में हिंदी के प्रति रूचि निर्माण कराना।
2. हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार की जानकारी से छात्रों को अवगत कराना।
3. जनभाषा के रूप में हिंदी की आवश्यकता और उपादेयता को सिद्ध करना।
4. हिंदी में रोजगार की संभावनाओं को स्पष्ट करना।
5. 'अनुवाद' में रोजगार की दशा और दिशा का निर्देशन करना।
6. छात्रों को तकनीकी ज्ञान प्रदान कर आत्मनिर्भर जीवन-यापन के अवसर प्रदान करना।
7. छात्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय आदि चेतनाओं को विकसित कर सजग नागरिक का निर्माण करना।
8. छात्रों के भाषायी ज्ञान को समृद्ध एवं सशक्त कराना।
9. छात्रों में हिंदी भाषा में व्यवहार एवं प्रयोग करने की क्षमता विकसित कराना।
10. हिंदी में तकनीकी क्रिया-कलाप करने का ज्ञान प्रदान कराना।
11. छात्रों में सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूकता निर्माण कराना

Introduction :-

वस्तुत: महाराष्ट्र अहिन्दी भाषी प्रदेशों में आता है किन्तु, भौगोलिक और ऐतिहासिक संदर्भो के कारण हम देखते हैं कि, सम्पूर्ण महाराष्ट्र में हिंदी का सहज और स्वाभाविक प्रयोग होता हुआ दिखाई देता हैं। फलस्वरूप बहुतायत में अहिन्दी भाषी छात्र अध्ययन के लिए हिंदी भाषा का अनायास चयन करते हैं। किन्तु, कतिपय कारणों से वे इसे रोजगार या जीवन-यापन का साधन बनाने से कतराते है अत: छात्रों को हिंदी में रोजगार या जीवन-यापन के साधन के रूप में अवगत कराना अत्यंत आवश्यक प्रतीत हो रहा है। इसी उद्देश्य

को लक्ष्य कर, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय द्वारा सी. बी. सी. एस. के अंतर्गत आवश्यक हिंदी का पाठ्यक्रम इस रूप में विकसित करने की सार्थक कोशिश की गई हैं कि, छात्र हिंदी भाषा और उसकी साहित्यिक विधाओं से परिचित हो और साथ ही कौशल विकास के अंतर्गत जिन इकाइयों को स्थान दिया गया है उनके माध्यम से हिंदी रोजगार का सशक्त और सार्थक साधन बनाने की क्षमता उनमें विकसित करने की सार्थक चेष्ठा की गई है । स्पर्धा परीक्षाओं के प्रति छात्रों की बढ़ती रुचि को ध्यान में रखकर उन्हें स्पर्धा परीक्षाओं में पूछे जानेवाले व्याकरण का ज्ञान प्रदान करने का भी प्रयास किया गया है । छात्रों के सर्वांगीण विकास को साधना और उन्हें एक जिम्मेदार, संवेदनशील और कर्तव्यपरायण तथा आत्मनिर्भर नागरिक बनाना हमारा प्रधान उद्देश्य रहा है ।

Part B

Syllabus Prescribed for 2022-23 Year

B.A. I Compulsory Hindi

Semester I

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	Total Number of Periods
1012	हिंदी	60

Cos –

1. साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे I

1. पद्य विभाग की सभी कविताओं के माध्यम से छात्रों की संवेदनाएं संस्कारित होगी I

2. कौशल विकास के अंतर्गत सम्मिलित घटकों के माध्यम से छात्रों में तकनीकी ज्ञान का विकास होगा I

3. विभिन्न स्पर्धा परीक्षाओं में पूछे जाने वाले व्याकरण के प्रश्नों से छात्रों में स्पर्धा परीक्षा के प्रति रूचि उत्पन्न होगी I

4.छात्रों में वैयक्तिक और सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने की क्षमता विकसित होगी **I**

कुल अंक - 100 (प्रश्नपत्र - 80, अंतर्गत मूल्यांकन - 20)

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : '**वसंत**'

राघव पब्लिकेशन नागपुर

इकाई (Unit)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	कूल तासिकाएँ (Total Period)

इकाई 1	गद्य विभाग 1 से 6 1. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा गुलेरी (कहानी) 2. धनिया की साडी- मन्नू भंडारी (कहानी) 3. पर्यावरण- परिरक्षण और प्रदुषण-निवारण - आचार्य निशांत केतु 4. मैं ओलम्पिक नहीं गया- शरद जोशी (व्यंग्य) 5. जहाँ आकाश नहीं दिखाई देता- विष्णु प्रभाकर (रिपोर्ताज) 6. बहु की विदा- विनोद रस्तोगी (एकांकी)	12
इकाई 2	पद्य विभाग 1 से 6 1. कबीर के दोहे 2. तुलसीदास के पद 3. सूरदास के पद 4. पुष्प की अभिलाषा- माखनलाल चतुर्वेदी 5. मैं दीपक हूँ जलूँगा- ज्ञानचंद मर्मज्ञ 6. प्रयत्न-निशा गुप्ता	12
इकाई 3	हिंदी भाषा का परिचय मानक हिंदी वर्णमाला हिंदी भाषा का स्वरूप विराम चिन्हों का परिचय	12
इकाई 4	हिंदी व्याकरण का सामान्य परिचय 1. समानार्थी शब्द 2. विलोम शब्द 3. लिंग 4. वचन 5. विशेषण 6. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द 7. शब्द शुद्धि	12

हिंदी कौशल विकास (SEM)

COs:

1. छात्र स्पर्धा परीक्षाओं में हिंदी भाषा की उपादेयता की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

2. छात्र वैयक्तिक पत्रलेखन के स्वरुप एवं प्रकार को विश्लेषित कर सकेंगे।

3. हिंदी पत्राचार के अर्थ, परिभाषा से हिंदी भाषा का मूल्यांकन कर सकेंगे।

4. छात्र सामाजिक पत्र-लेखन का कार्य कुशलतापूर्वक करेंगे।

	हिंदी कौशल विकास (SEM) पत्राचार का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, पत्र लेखन के प्रकार 1. वैयक्तिक पत्रलेखन 2. सामाजिक पत्रलेखन 3. स्पर्धा परीक्षाओं में हिंदी भाषा की उपादेयता की जानकारी देना	12

प्रश्नपत्र प्रारूप

इकाई 1 अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 7 x 1 =7

ब) लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 4 x 2 = 8

इकाई 2 कविताओं का केंद्रीय भाव 5 x 3 = 15

इकाई 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 7 x 1 =7

ब) लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 4 x 2 = 8

इकाई 4 प्रत्येक प्रश्न को दो अंक दिये जाये 6 x 2 = 12

विशेषण 3 x 1 = 3

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित अतिलघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ 20 x 1 = 20

अंतर्गत मूल्यांकन- हिंदी कौशल **(SEM)** 20

Course Material/Learning Resources

Text books:

Reference Books:

Weblink to Equivalent MOOC on SWAYAM if relevant:

Weblink to Equivalent Virtual Lab if relevant:

Any pertinent media (recorded lectures, YouTube, etc.) if relevant:

Faculty: Humanities

Programme: Compulsory Hindi

Part B

Syllabus Prescribed for 2022-23 Year

B.A. I Compulsory Hindi

Semester II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	Total Number of Periods
1012	हिंदी	60

COs

1. छात्र साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे I
2. पद्य विभाग की सभी कविताओं के माध्यम से छात्रों की संवेदनाएं संस्कारित होगी I
3. कौशल विकास के अंतर्गत सम्मिलित घटकों के माध्यम से छात्रों में तकनीकी ज्ञान का विकास होगा I
4. विभिन्न स्पर्धा परीक्षाओं में पूछे जाने वाले व्याकरण के प्रश्नों से छात्रों में स्पर्धा परीक्षा के प्रति रूचि उत्पन्न होगी I
5. छात्रों में वैयक्तिक और सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने की क्षमता विकसित होगी I

कुल अंक - 100 (प्रश्नपत्र - 80, अंतर्गत मूल्यांकन - 20)

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : 'वसंत'

राघव पब्लिकेशन नागपुर

इकाई (Unit)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	कूल तासिकाएँ (Total Period)

इकाई 1	गद्य विभाग 7 से 12 1. भाव और मनोविकार- आचार्य रामचंद्र शुक्ल (निबंध) 2. कफ़न- प्रेमचंद (कहानी) 3. शिक्षा का उद्देश्य- महादेवी वर्मा (निबंध) 4. पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद (कहानी) 5. चाटुकारिता भी एक कला हैं- बरसानेलाल चतुर्वेदी (व्यंग्य) 6. मैं हिंदी बोल रही हूँ- ज्ञानचंद मर्मज्ञ	12
इकाई 2	पद्य विभाग 7 से 12 1. बिहारी के दोहे 2. मीराबाई के पद 3. दुर्गुण और दुर्व्यसन - राष्ट्रसंत तुकडोजी (लहर की बरखा) 4. निज भाषा सब उन्नति को मूल- भारतेन्दु हरिश्चंद्र 5. मधुशाला- हरिवंशराय बच्चन 6. अब के सावन में- गोपालदास नीरज	12
इकाई 3	हिंदी भाषा का परिचय देवनागरी लिपि का उद्धभव और विकास देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय हिंदी वर्तनी का मानक रूप	12
इकाई 4	व्यावहारिक भाषा एवं व्याकरण 1. कारक 2. तदभव 3. तत्सम 4. प्रादेशिक 5. आगत 6. कहावते 7. मुहावरे	12

हिंदी कौशल विकास (SEM)

COs:

1. छात्र हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान का मूल्यांकन कर सकेंगे।
2. छात्र हिंदी भाषा में व्यावसायिक पत्र-लेखन का कार्य कर सकेंगे।
3. छात्र आशु भाषण के माध्यम से मंच साहस वृद्धि होगी।

इकाई 5	**हिंदी कौशल विकास (SEM)** 1. व्यावसायिक पत्रलेखन 2. आशु भाषण	12

प्रश्नपत्र प्रारूप

इकाई 1 अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 7x1 =7

ब) लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 4 x2 = 8

इकाई 2 कविताओं का केंद्रीय भाव 5x3 = 15

इकाई 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 7x1 =7

ब) लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 4 x2 = 8

इकाई 4 प्रत्येक प्रश्न को दो अंक दिये जाये 6x2 = 12

मुहावरे 3x1 = 3

इकाई 5: सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित अतिलघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ 20x1 = 20

अंतर्गत मूल्यांकन- हिंदी कौशल **(SEM)** 20

Course Material/Learning Resources

Text books:

Reference Books:

1. कबीर साखी सार डॉ. ताराचंद बाली, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा)
2. कबीर एक नई दृष्टि - डॉ. रघुवंश
3. कबीर - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

4. भ्रमरगीत सार राजनाथ शर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर आगरा)

5. सूर की काव्यकला- डॉ. मनमोहन गौतम

6. विनयपत्रिका-तुलसीदास (गीताप्रेस गोरखपुर)

7. कवितावली -तुलसीदास (गीताप्रेस गोरखपुर)

8. तुलसीदास युग और काव्य- डॉ. राजपति दीक्षित

9. बिहारी का नया मूल्यांकन- डॉ. बच्चन सिंह

10. समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद-डॉ. महेन्द्र भटनागर

11. प्रेमचंद एक अध्ययन- डॉ. राजेश्वर गुरु

12. साहित्य रुप और तत्व- शिवनंदन प्रसाद

13. साहित्य पथ संपादक डॉ. इन्द्रपालसिंह

14. साहित्य का साथी (प्रकाशक, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा)

15. लहर की बरखा- तुकडोजी महाराज, प्रकाशक, रुपराव वाघ,श्रीगुरुदेव प्रकाशन

16. वसंत- संपादक, हिंदी अभ्यास मंडल, सं.गा.बा. अमरावती

17. काव्यांजलि- संपादक, हिंदी अभ्यास मंडल, प्रकाशक, राघव पब्लिकेशन, नागपुर

18. सम्भव हैं- ज्ञानचंद मर्मर, प्रकाशक, श्रीमती शरद, नं. 13, तीसरा क्रॉस, के. आर ले आउट/ आठवा फेज, जे. पी. नगर बैंगलोर, 560078

19. भाषा और भाषा विज्ञान - डॉ. गजानन वानखडे

Weblink to Equivalent MOOC on SWAYAM if relevant:

Weblink to Equivalent Virtual Lab if relevant:

Any pertinent media (recorded lectures, YouTube, etc.) if relevant:

Part A

Faculty: Humanities

B.A. I (Sem-I) Hindi Literature

PSOs:

1. छात्रों में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न कराना।
2. हिंदी समृद्ध साहित्यिक परंपरा से छात्रों को अवगत कराना।
3. हिंदी साहित्य की उपादेयता और प्रासंगिकता को अधोरेखित कराना।
4. साहित्य की विभिन्न विधाओं के प्रति रुचि उत्पन्न कर उन्हें संस्कारित कराना।
5. कौशल विकास में सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से छात्रों में स्वयं रोजगार की क्षमता विकसित कराना । जीवन में साहित्य की महत्ता और उपादेयता को सुस्पष्ट कराना।
6. छात्रों की संवेदनाओ को जागृत कर उन्हें सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना।
7. छात्रों के साहित्यिक ज्ञान को समृद्ध तथा सशक्त कराना।
8. छात्रों में साहित्यिक कृतियों का विवेचन, विश्लेषण, व्याख्या एवं समीक्षा करने की क्षमता को विकसित कराना।
9. छात्रों में हिंदी में तकनिकी क्रियाकलाप करने की क्षमता को विकसित कराना।
10. संवेदनशीलता, कर्तव्य-परायणता और जागरूक व्यक्तित्व को विकसित कराना।

Introduction :-

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती द्वारा यूजीसी के नवीनतम निर्देशानुसार सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम का निर्माण और क्रियान्वयन करने की दिशा में जो पहल की गई है, वह निश्चित ही स्तुत्य और अभिनंदनीय है। यह तो सर्वविदित तथ्य है कि, यूजीसी के नवीनतम निर्देशों का प्रमुख उद्देश्य और लक्ष्य ही परंपरागत शिक्षा पद्धति की खामियों को दूर कर छात्रों के सर्वांगीण उन्नति का मार्ग प्रशस्त करना है। हिंदी अभ्यास मंडल संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय अमरावती की भी हार्दिक मंशा यही रही है कि, छात्रों को आत्मनिर्भर और स्वयंपूर्ण बनाना ही अध्ययन और अध्यापन का लक्ष्य हो। अस्तु, बी.ए.

साहित्य के छात्रों के लिए एक ऐसा पाठ्यक्रम निर्मित तथा क्रियान्वित करने का सार्थक प्रयास किया गया है, जो छात्रों के सर्वांगीण उन्नति के अवसर प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो सके।

साहित्य किसी भी व्यक्ति के आंतरिक और बाह्य व्यक्तित्व का परिमार्जन कर संस्कारित करने की क्षमता रखता है। अतएवं बी.ए. के छात्रों को साहित्य की लगभग सभी प्रमुख विधाओं का परिचय करवा कर, उन्हें उसमें अभिरुचि निर्माण कराने की दिशा में पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार किया गया है। प्राचीन और आधुनिक साहित्य अपनी महत्ता और स्थान रखते हैं, इसलिए इन्हें समान रूप से पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने की कोशिश की गई है। तो वहीं दूसरी ओर, कौशल विकास के अंतर्गत छात्रों को रोजगारोन्मुख तकनीकी ज्ञान और अभ्यास कराने का यत्न किया गया है। जो उसके लिए निश्चित ही उपादेय एवं प्रेरणादायी सिद्ध हो सकता है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि, प्रस्तुत पाठ्यक्रम आत्मनिर्भर, संवेदनशील और राष्ट्र व संस्कृति के प्रति आस्था रखने वाली पीढ़ी का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों के सकारात्मक एवं प्रेरणादायक विचारों को सुदृढ़ और सक्षम करने में सार्थक सिद्ध होगा। जिससे एक सुदृढ़ समाज और राष्ट्र की नींव रखी जा सकेगी।

Part B

Syllabus Prescribed for 2022-23 Year

B.A. I Hindi Literature

Semester I

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	Total Number of Periods
1053	हिंदी साहित्य (वैकल्पिक)	75

Cos –

1.छात्र साहित्य का विवेचन, विश्लेषण और समीक्षा कर सकेंगे ।

2.छात्र संत वाणी की उपादेयता और महत्ता को अनुभूति और अभिव्यक्ति करने में सक्षम होंगे ।

3.विभिन्न चरणों में लिखे गये साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति और इतिहास का अध्ययन करने में समर्थ होंगे ।

4.कौशल विकास के अंतर्गत सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से तकनिकी ज्ञान प्राप्त सकेंगे ।

5.छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण करने की आधारशीला रखी जायेगी ।

कुल अंक - 100 (प्रश्नपत्र - 80, अंतर्गत मूल्यांकन - 20)

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : **'काव्यांजलि'**

राघव पब्लिकेशन नागपुर

इकाई (Unit)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	कूल तासिकाएँ (Total Period)
इकाई 1	प्राचीन काव्य **1.**कबीरदास **2.**तुलसीदास **3.**सूरदास **4.**मीराबाई **5.**रहीम	20

इकाई 2	**'स्वयंसिद्धा '** शिवानी (लघु उपन्यास) प्रकाशन- हिन्द पॉकेट बुक प्रायवेट जे-40, जोर बाग लेन, नई दिल्ली-110	20
इकाई 3	साहित्यिक विधाओं का सामान्य परिचय - कहानी, उपन्यास, एकांकी, जीवनी	20

कौशल विकास (SEM)

Cos –

1. कौशल विकास के अंतर्गत सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से तकनिकी ज्ञान प्राप्त सकेंगे ।
2. छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण करने की आधारशीला रखी जायेगी ।
3. छात्र साक्षात्कार के माध्यम से हिंदी के साहित्यकारों के साहित्य से परिचित होंगे ।
4. छात्र जनप्रतिनिधियों की भूमिका तथा समाजसेवक व किसान के योगदान से परिचित होंगे
5. छात्र साक्षात्कार के लिए समाज के विभिन्न घटकों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
6. छात्र समाचार-लेखन करेंगे।

	हिंदी कौशल विकास (SEM) 1.साक्षात्कार - साहित्यकार / जनप्रतिनिधि / समाज सेवक / किसान 10 अंक 2.समाचार पत्रों के लिए वृतांत लेखन 10 अंक	15

प्रश्नपत्र प्रारूप

इकाई **1** अ) सन्दर्भ सहित व्याख्या विकल्प के साथ **10 x 1 =10**

ब) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ **10 x 1 =10**

इकाई **2**) सन्दर्भ सहित व्याख्या विकल्प के साथ **10 x 1 =10**

ब) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ **10 x 1 =10**

इकाई **3** दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ **10 x 1 =10**

ब) लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ **5 x 2 =10**

इकाई **4** सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित अतिलघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ **20 x 1 = 20**

आंतरिक मूल्यांकन- हिंदी कौशल विकास **(SEM)** **20**

Course Material/Learning Resources

Text books:

Reference Books:

Weblink to Equivalent MOOC on SWAYAM if relevant:

Weblink to Equivalent Virtual Lab if relevant:

Any pertinent media (recorded lectures, YouTube, etc.) if relevant:

Faculty: Humanities

B.A. I (Sem-II) Hindi Literature

Part B

Syllabus Prescribed for 2022-23 Year

B.A. I Hindi Literature

Semester II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	Total Number of Periods
1053	हिंदी साहित्य (वैकल्पिक)	75

Cos –

1. छात्र साहित्य का विवेचन, विश्लेषण और समीक्षा कर सकेंगे ।
2. छात्र संत वाणी की उपादेयता और महत्ता को अनुभूति और अभिव्यक्ति करने में सक्षम होंगे ।
3. विभिन्न चरणों में लिखे गये साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति और इतिहास का अध्ययन करने में समर्थ होंगे ।
4. कौशल विकास के अंतर्गत सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से तकनिकी ज्ञान प्राप्त सकेंगे ।
5. छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण करने की आधारशीला रखी जायेगी ।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक : **'काव्यांजलि'**

राघव पब्लिकेशन नागपुर

इकाई (Unit)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	कूल तासिकाएँ (Total Period)
इकाई 1	आधुनिक काव्य दो कविताएँ 1. भारतेन्दु हरिश्चंद्र 2. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिश्चंद्र' 3. माखनलाल चतुर्वेदी 4. सुभद्राकुमारी चौहान 5. मैथिलीशरण गुप्त	20

इकाई 2	**'अंधायुग'** धर्मवीर भारती - नाटक प्रकाशन- किताब महल, इलाहाबाद	20
इकाई 3	साहित्यिक विधाओं का सामान्य परिचय - नाटक, महाकाव्य,आत्मकथा, संस्मरण	20

कौशल विकास (SEM)

COs:

1. छात्र आधुनिक काव्य की राष्ट्रीयता के बोध से अवगत हो सकेंगें।
2. छात्र स्थानीय बोलीभाषा के माध्यम से आधुनिक भाव-बोध का अध्ययन कर सकेंगे।
3. छात्र मुहावरे कहावते के माध्यम से संस्कृति से परिचित होंगे तथा उसका विश्लेषण कर सकेंगे।
4. छात्र हिंदी में अनुवाद के महत्व का अध्ययन कर सकेगे।
5. छात्र हिंदी भाषा के माध्यम से स्थानिय सांस्कृतिक प्रतीकों को उजागर कर सकेंगे।

	हिंदी कौशल विकास (SEM) 1. मंच का सूत्र संचालन की रूपरेखा तैयार करना 10 अंक 2. स्थानीय बोलीभाषाओँ के 10 मुहावरें/कहावतों का हिंदी में अनुवाद 10 अंक	15

प्रश्नपत्र प्रारूप

इकाई 1 अ) सन्दर्भ सहित व्याख्या विकल्प के साथ 10 x 1 =10

ब) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 10 x 1 =10

इकाई 2) सन्दर्भ सहित व्याख्या विकल्प के साथ 10 x 1 =10

ब) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 10 x 1 =10

इकाई 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 10 x 1 =10

ब) लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 5 x 2 =10

सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित अतिलघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ 20 x 1 = 20

Course Material/Learning Resources

Text books:

Reference Books:

1. कबीर साखी सार डॉ. ताराचंद बाली, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा) कबीर एक नई दृष्टि - डॉ. रघुवंश

2. कबीर - डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. भ्रमरगीत सारसं राजनाथ शर्मा (विनोद पुस्तक मंदिर आगरा)

4. सूर की काव्यकला- डॉ. मनमोहन गौतम

5. विनयपत्रिका-तुलसीदास (गीताप्रेस गोरखपुर)

6. कवितावली -तुलसीदास (गीताप्रेस गोरखपुर)

7. तुलसीदास युग और काव्य- डॉ. राजपति दीक्षित

8. बिहारी का नया मूल्यांकन- डॉ. बच्चन सिंह

9. समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचंद-डॉ. महेन्द्र भटनागर

10. प्रेमचंद एक अध्ययन- डॉ. राजेश्वर गुरु

11. साहित्य रुप और तत्व- शिवनंदन प्रसाद

12. साहित्य पथ संपादक डॉ. इन्द्रपालसिंह

13. साहित्य का साथी (प्रकाशक, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा)

14. लहर की बरखा- तुकडोजी महाराज, प्रकाशक, गुरुकुल, नागपुर

15. वसंत- संपादक, हिंदी अभ्यास मंडल, सं.गा.बा. अमरावती

16. काव्यांजलि- संपादक, हिंदी अभ्यास मंडल, प्रकाशक, राघव पब्लिकेशन, नागपुर

17. सम्भव हैं- ज्ञानचंद मर्मर, प्रकाशक, श्रीमती शरद, नं. 13, तीसरा क्रॉस, के. आर ले आउट/ आठवा फेज, जे. पी. नगर बैंगलोर, 560078

18. नयी समीक्षा के प्रतिमान डॉ निर्मला जैन

19. हिन्दी नाटक रंग शिल्प दर्शन दी. विकल गौतम

20. आधुनिक समीक्षा डॉ. भगवत स्वरूप मिश्र

21. आलोचना के बदलते मानदंड और हिन्दी साहित्य- डॉ. शिवचरण

22. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन गिरीश रस्तोगी

23. हिन्दी नाटककार जयनाथ नलिन

24. नाटक और रंगमंच की भूमिका डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

25. हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास सुरेश सिन्हा

26. प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधि डॉ. सत्यपाल चूप

27. आधुनिक उपन्यास विविध आयाम विवेकीराय

28. रंग दर्शन नेमीचंद जैन

29. रंग कर्म और मीडिया डॉ. जयदेव तनेजा

30. हिन्दी उद्भव विकास और रूप- डॉ हरदेव बाहरी

31. हिन्दी भाषा स्वरुप और विकास- डॉ. कैलाशचंद माटिया

32. राजमाषा हिन्दी डॉ. कैलाशचंद मटिया

33. प्रयोजनमूलक व्ययावहारिक हिन्दी डॉ ओमप्रकाश सिंहल

34. प्रयोजनमूलक हिन्दी विनोद गोदरे

35. भाषा विज्ञान भोलानाथ तिवारी

36. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत डॉ. शांती स्वरुप गुप्त

37. हिन्दी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचंद्र शुक्ल

38. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ जयकिसन प्रसाद

39. हिन्दी साहित्य का इतिहास विजयपाल सिंह

40. जयशंकर प्रसाद आचार्य नंददुलारे वाजपेयी

41. प्रसाद का काव्य डॉ. प्रेमशंकर

42. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

43. पंत जी का नूतन काव्य और दर्शन डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्यय

44. रिचर्डस के आलोचक सिद्धांत शंभुदत झा

45. हिन्दी भाषा का इतिहास लक्ष्मीसागर वाष्णेय

46. सम सामायिक हिन्दी साहित्य डॉ. बच्चन सिंह

47. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत

48. भाषा विज्ञान सैध्दांतिक विवेचन- डॉ. रविन्द्र श्रीवास्तव

49. भारतीय लिपीयोंकी कहानी गुणाकर मुले

50. हिन्दी भाषा, राजभाषा और नागरीलिपी डॉ. परमानंद पांचाल

51. हिन्दी के विशिष्ट आलोचक नंदकुमार राय

52. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितीज डॉ. राममुर्ती त्रिपाठी

53. शैली विज्ञान डॉ. विद्यानिवास मिश्र

54. संरचनात्मक शैली विज्ञान डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव

55. रस सिद्धांत और संदर्भ शास्त्र निर्मला जैन

56. सौंदर्य शास्त्र लक्ष्मण दत्त गौतम

57. मार्क्सवादी सौदर्यशास्त्र मैनेजर पांडेय

58. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति देवी शंकर अवस्थी

59. समकालीन हिन्दी कहानी डॉ.पुष्प पाल सिंह

60. नई कहानी का स्वरूप विवेचन डॉ. इन्दु रश्मि

61. हिन्दी निर्गुण संत काव्य डॉ रमा शुक्ला अनुसंधान केन्द्र मुरादाबाद

62. डॉ. शंकर बुंदेले लिखीत समीक्षा कृति प्रेमचंद एवं रंगभूमि का जीवन दर्शन अमन प्रकाशन, नागपूर

63. उर्दु साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास लेखक डॉ एहतेशाम हुसेन, लोकभारती महात्मा गांधी इलाहाबाद

64. आधुनिक हिन्दी काव्य

65. व्यक्तिवादी प्रवृत्ति और आंचन का काव्य- लेखक डॉ. सुभाष पटनायक

66. राजमाषा हिन्दी विविध आयाम . लेखन डॉ शंकर बुंदेले संपादीत पुस्तक प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद.

67. समय के हस्ताक्षर एवं मध्यकाल के अनमोल रतन लेखक डॉ. ज्योति व्यास

68. कबीर और तुकाराम का सामाजिक दर्शन, डॉ त्रिवेणी नारायण सोनोने

69. प्रेमचंदोत्तर समाजवादी उपन्यासो की पृष्ठभूमी पर यशपाल के उपन्यास साहित्य का अनुशीलन- डॉ. एम. एम. कडू

Weblink to Equivalent MOOC on SWAYAM if relevant:

Weblink to Equivalent Virtual Lab if relevant:

Any pertinent media (recorded lectures, YouTube, etc.) if relevant:

Part A

Faculty: Humanities

Programme: B.A.I Functional Hindi

POs :

8. अहिन्दी भाषी छात्रों में हिंदी के प्रति रूचि निर्माण कराना।

9. हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार की जानकारी से छात्रों को अवगत कराना।

10. जनभाषा के रूप में हिंदी की आवश्यकता और उपादेयता को सिद्ध करना।

11. हिंदी में रोजगार की संभावनाओं को स्पष्ट करना।

12. 'अनुवाद' में रोजगार की दशा और दिशा का निर्देशन करना।

13. छात्रों को तकनीकी ज्ञान प्रदान कर आत्मनिर्भर जीवन-यापन के अवसर प्रदान करना।

14. छात्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय आदि चेतनाओं को विकसित कर सजग नागरिक का निर्माण करना।

PSOs:

1. **छात्रों के भाषायी ज्ञान को समृद्ध एवं सशक्त कराना।**
2. **छात्रों में हिंदी भाषा में व्यवहार एवं प्रयोग करने की क्षमता विकसित कराना।**
3. **हिंदी में तकनीकी क्रिया-कलाप करने का ज्ञान प्रदान कराना।**
4. **छात्रों में सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूकता निर्माण कराना।**

Employability Potential of the Programme:

Explain In detail in about 3 to 4 pages

महाराष्ट्र अहिन्दी भाषी राज्य है किन्तु, भौगोलिक और ऐतिहासिक संदर्भों के कारण हम देखते हैं कि, सम्पूर्ण महाराष्ट्र में हिंदी का सहज और स्वाभाविक प्रयोग होता हुआ दिखाई देता है। फलस्वरूप बहुतायत में अहिन्दी भाषी छात्र अध्ययन के लिए हिंदी भाषा का अनायास चयन करते हैं। किन्तु, कतिपय कारणों से वे इसे रोजगार या जीवन-यापन का साधन बनाने से कतराते है। अत: छात्रों को हिंदी में रोजगार या

जीवन-यापन के साधन के रूप में अवगत कराना अत्यंत आवश्यक प्रतीत हो रहा है। इसी उद्देश्य को लक्ष्य कर, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय द्वारा सी. बी. सी. एस. के अंतर्गत प्रयोजन मूलक हिंदी का पाठ्यक्रम इस रूप में विकसित करने की सार्थक कोशिश की गई हैं कि, छात्र हिंदी भाषा और उसकी साहित्यिक विधाओं से परिचित हो और साथ ही कौशल विकास के अंतर्गत जिन इकाइयों को स्थान दिया गया है, उनके माध्यम से हिंदी रोजगार का सशक्त और सार्थक साधन बनाने की क्षमता उनमें विकसित हो। स्पर्धा परीक्षाओं के प्रति छात्रों की बढ़ती रुचि को ध्यान में रखकर उन्हें स्पर्धा परीक्षाओं में पूछे जानेवाले व्याकरण का ज्ञान प्रदान करने का भी प्रयास किया गया है। अनुवाद क्षेत्र में छात्र रोजगार की ओर अग्रसर हो इसलिए अनुवाद पर अधिक बल दिया गया है तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास को साधना और उन्हें एक जिम्मेदार, संवेदनशील, कर्तव्यपरायण और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना हमारा प्रधान उद्देश्य रहा है।

Part B

Syllabus Prescribed for 2022-23 Year

B.A. I Functional Hindi

Semester I

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	Total Number of Periods
1032	प्रयोजनमूलक हिंदी (Functional Hindi)	60

COs

1. छात्र साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
2. कार्यालयीन हिंदी के विभिन्न क्षेत्रों से छात्रों रूचि निर्माण होगी।
3. कौशल विकास के अंतर्गत सम्मिलित घटकों के माध्यम से छात्रों में तकनीकी ज्ञान का विकास होगा।
4. विभिन्न स्पर्धा परीक्षाओं में पूछे जाने वाले व्याकरण के प्रश्नों से छात्रों में स्पर्धा परीक्षा के प्रति रूचि उत्पन्न होगी।
5. छात्रों में वैयक्तिक और सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने की क्षमता विकसित होगी।

इकाई (Unit)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	कूल तासिकाएँ (Total Period)
इकाई 1	प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा एवं स्वरूप, व्यवहार क्षेत्र, उपादेयता, मानक भाषा से तात्पर्य, मानक भाषा के लक्षण और प्रवृत्तियां मानकीकरण की प्रक्रिया, मानक हिंदी का सामान्य परिचय हिंदी की मानक वर्णमाला और अंकलेखन, मानक वर्तनी	20
इकाई 2	कार्यालयीन हिंदी संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण एवं टिप्पण का सामान्य परिचय कार्यालय आदेश- कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, एवं विज्ञप्ति का परिचय तथा प्रारूप लेखन आवेदन,पदाधिकारियों से पत्र व्यवहार, व्यावसायिक पत्र, संपादक के नाम पत्र, निमंत्रण पत्र	20

हिंदी कौशल विकास(SEM)

COs:

1. मानकीकरण की प्रक्रिया को समझकर हिंदी में प्रयोग कर सकेंगे ।

2 . सामान्य हिंदी और प्रयोजनमूलक हिंदी में विश्लेषण कर सकेंगे ।

3. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्रीय भाषा का मूल्यांकन कर सकेंगे ।

4. हिंदी कौशल विकास पर आधारित प्रकल्प लेखन कर सकेंगे ।

	हिंदी कौशल विकास (SEM) 1. प्रकल्प लेखन 2. उपर्युक्त इकाइयों में दिये गये विषयों में से किसी एक विषय पर प्रकल्प लेखन	20

प्रश्न पत्र प्रारूप

प्रश्न -1 इकाई एक से दो दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 2x16 = 32

प्रश्न -2 इकाई दो से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 1x16 = 16

प्रश्न -3 इकाई एक व इकाई दो से चार लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 4 x4 = 16

प्रश्न - 4 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित अतिलघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ 16x1 = 16

आंतरिक मूल्यांकन- हिंदी कौशल विकास(SEM)

उपर्युक्त इकाइयों में दिये गये विषयों में से किसी एक विषय पर प्रकल्प लेखन 20

Course Material/Learning Resources

Text books:

Reference Books:

Weblink to Equivalent MOOC on SWAYAM if relevant:

Weblink to Equivalent Virtual Lab if relevant:

Any pertinent media (recorded lectures, YouTube, etc.) if relevant:

Faculty: Humanities

Programme: B.A.II Functional Hindi

Part B

Syllabus Prescribed for 2022-23 Year

B.A. I Functional Hindi

Semester II

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	Total Number of Periods
1032	प्रयोजनमूलक हिंदी (Functional Hindi)	60

COs:

1. छात्रा पारिभाषिक शब्दावली के महत्व को समझ कर उसके निर्माण की समस्या से परिचित होंगे.
2. छात्र अनुवाद का अनुप्रयोग कर सकेंगे.
3. छात्र और संचार माध्यमों का विश्लेषण कर सकेंगे.
4. छात्रा मुद्रित तथा दृश्य श्रव्य माध्यमों का मूल्यांकन कर सकेगे.
5. छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी में प्रयुक्त विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विषय पर लेख कार्य कर सकेंगे.

इकाई (Unit)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	कुल तासिकाएँ (Total Period)
इकाई 1	पारिभाषिक शब्दावली परिभाषा व स्वरूप, प्रशासनिक, व्यावसायिक व मानविकी क्षेत्र में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग पारिभाषिक शब्दावली की विशेषताएं, आवश्यकता एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएं	20

इकाई 2	अनुवाद अनुवाद की परिभाषा, अनुवाद के प्रकार, अनुवाद का महत्व, अनुवाद की आवश्यकता, अनुवाद की समस्याएं (हिंदी, मराठी एवं अंग्रेजी के सन्दर्भ में) संचार माध्यम- अर्थ एवं स्वरूप, संचार माध्यमों के विविध रूप, मुद्रित माध्यम, रेडियो टेलीविजन, फिल्म, इंटरनेट का परिचय एवं इनमें प्रयुक्त हिंदी का स्वरूप	20

Co :

1. मानकीकरण की प्रक्रिया को समझकर हिंदी में प्रयोग कर सकेंगे ।
2. सामान्य हिंदी और प्रयोजनमूलक हिंदी में विश्लेषण कर सकेंगे ।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी के क्षेत्रीय भाषा का मूल्यांकन कर सकेंगे ।
4. हिंदी कौशल विकास पर आधारित प्रकल्प लेखन कर सकेंगे ।

	हिंदी कौशल विकास (SEM) 3. प्रकल्प लेखन 4. उपर्युक्त इकाइयों में दिये गये विषयों में से किसी एक विषय पर प्रकल्प लेखन	20

प्रश्न पत्र प्रारूप

प्रश्न -1 इकाई एक से दो दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 2*16 = 32

प्रश्न -2 इकाई दो से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 1*16 = 16

प्रश्न -3 इकाई एक व इकाई दो से चार लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 4 *4 = 16

प्रश्न - 4 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित अतिलघुत्तरी / वस्तुनिष्ठ 16*1 = 16

आंतरिक मूल्यांकन- **हिंदी कौशल विकास (SEM)**

उपर्युक्त इकाइयों में दिये गये विषयों में से किसी एक विषय पर प्रकल्प लेखन 20

Course Material/Learning Resources

Text books:

Reference Books:

1. **हिन्दी :- उद्भव विकास और रूप- डॉ. हरदेव बाहरी**
2. **हिन्दी भाषा स्वरूप और विकास- डॉ. कैलाशचंद भाटिया**
3. **राजभाषा हिन्दी - डॉ. कैलाशचंद भाटिया**
4. **प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी - डॉ. ओमप्रकाश सिंहल**
5. **प्रयोजनमूलक हिन्दी- विनोद गोदरे**
6. **भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी**
7. **राजभाषा हिन्दी विविध आयाम, लेखन - डॉ. शंकर बुंदेले संपादित प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद**

Weblink to Equivalent MOOC on SWAYAM if relevant:

Weblink to Equivalent Virtual Lab if relevant:

Any pertinent media (recorded lectures, YouTube, etc.) if relevant: